घर की खूबसूरती से आगे-इंटीरियर डिजाइनिंग बना रही है जिंदगी को बेहतर

इंटीरियर

सूरज शर्मा

नवभारत न्यूज

घर केवल दीवारों, दरवाजों और फर्नीचर का नाम नहीं है. यह हमारी पसंद, व्यक्तित्व और जीवनशैली का आईना होता है. यही वजह है कि आज इंटीरियर डिजाइनिंग सिर्फ घर को खूबसूरत बनाने तक सीमित नहीं रही, बल्कि आराम, उपयोगिता और आधुनिक जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गई है. बदलते समय के साथ लोग अपने घर और कार्यस्थल के डिजाइन को लेकर पहले से ज्यादा जागरूक हुए हैं. कम जगह में बेहतर उपयोग, प्राकृतिक रोशनी, स्मार्ट स्टोरेज, आकर्षक रंग संयोजन और आधुनिक फर्नीचर जैसे पहलुओं पर खास ध्यान दिया जा रहा है. अब इंटीरियर का उद्देश्य केवल दिखने में सुंदर होना नहीं, बल्कि ऐसा वातावरण तैयार करना है. इंटीरियर डिजाइनर सुरज शर्मा के अनुसार, आज के दौर में डिजाइन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है कि वह व्यक्ति की जरूरत और व्यक्तित्व के अनुरूप हो. एक ही डिजाइन हर घर के लिए उपयुक्त नहीं हो सकता. घर में रहने वाले लोगों की दिनचर्या, पसंद, जरूरत और उपलब्ध स्थान को समझकर तैयार किया गया डिजाइन ही लंबे समय तक प्रभावी रहता है. वे बताते हैं कि लोग अब पारंपरिक और आधुनिक शैली का बेहतर संतुलन पसंद कर रहे हैं. लकड़ी, मिट्टी और प्राकृतिक टेक्सचर जैसे पारंपरिक तत्वों के साथ मॉडर्न लाइटिंग और फर्नीचर का इस्तेमाल इंटीरियर को अलग पहचान देता है। सूरज शर्मा के मुताबिक अच्छा इंटीरियर वह है जो जगह को सिर्फ सुंदर नहीं बनाता, बल्कि उसे रहने वाले व्यक्ति के लिए सुविधाजनक भी बनाता है.

आधुनिक विकास और सांस्कृतिक विरासत का बेहतरीन मेल दिखे

नवभारत
कैसा हो सपनों का इंदौर

प्रिया सक्सेना, शिक्षिका व लेखिका

हमेशा से अपनी अनूठी संस्कृति, स्वाद और अपनापे के लिए जाना जाता है. 'मिनी मुंबई' कहे जाने वाले इस शहर ने बीते कुछ वर्षों में स्वच्छता से लेकर स्वच्छता के सातवें आसमान तक जो मुकाम हासिल किया है, उसने पूरे देश के सामने एक मिसाल कायम की है. लेकिन एक इंदौरवासी होने के नाते, जब हम सोचते हैं कि कैसा हो सपनों का इंदौर तो ज़ेहन में सिर्फ आज की उपलब्धियां ही नहीं, बल्कि एक और खूबसूरत कल की तस्वीर उभरती है. हमारे सपनों का इंदौर एक ऐसा शहर होगा जहां आधुनिक विकास और सांस्कृतिक विरासत का बेहतरीन मेल देखने को मिले.

स्वच्छता में तो हमारा इंदौर नंबर-वन है ही, लेकिन सपनों का इंदौर ग्रीन इंदौर भी होगा. खान और सरस्वती नदियां फिर से अपने पुराने, साफ़-सुथरे और जीवंत रूप में बहेंगी. शहर में वाहनों के लिए इलेक्ट्रिक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का ऐसा जाल होगा जिससे प्रदूषण नाममात्र का रह जाए. सपनों के इंदौर में ट्रैफिक जाम की समस्या नहीं होगी. मेट्रो ट्रेन और सुव्यवस्थित पब्लिक ट्रांसपोर्ट शहर के कोने-कोने को जोड़ेगा. चौड़ी सड़कों पर पैदल चलने वालों और साइकिल चलाने वालों के लिए सुरक्षित ट्रैक्स होंगे. यह शहर देश के युवाओं के लिए अवसरों का एक नया केंद्र बने. सुपर कॉरिडोर्स से लेकर नए स्टार्टअप्स तक, इंदौर न केवल मध्य प्रदेश, बल्कि पूरे देश के प्रतिभाशाली युवाओं के लिए पहली पसंद बने. राजबाड़ा, छतरियां और गोपाल मंदिर जैसी हमारी ऐतिहासिक इमारतें केवल पर्यटन का केंद्र न रहकर हमारी पहचान के रूप में संवारी जाएं. 56 दुकान और सराफा की रौनक यूं ही बनी रहे, लेकिन एक बेहतर प्रबंधन और स्वच्छता के साथ. सपनों का इंदौर केवल ईंट और कंक्रीट का शहर नहीं होगा, यह एक सुरक्षित और संवेदनशील समाज होगा. जहां महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे दिन हो या रात, पूरी तरह सुरक्षित महसूस करें. 'इंदौरी सेवाभाव' की भावना हर नागरिक के दिल में हो. सपनों का इंदौर कोई ऐसा शहर नहीं है जो सिर्फ कल्पनाओं में रहे; यह वो इंदौर है जिसे हम अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए मिलकर गढ़ेंगे- जहां विकास की रफ्तार भी हो और अपनों का प्यार भी.

सुरों ने ताजा की 70 के दशक की सुनहरी यादें

- जाल सभागृह में तरुण दा कराओके लाइव की संगीत संध्या
- राजेश खन्ना और किशोर कुमार के सदाबहार गीतों से बांधा समां

अनुपमा गुप्ता

नवभारत न्यूज

इंदौर. यूं तो शहर में आए दिन संगीत के कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं, लेकिन रविवार की शाम जाल सभागृह का आंगन जिस तरह सदाबहार गीतों की सुर लहरियों से गूंजा, वह लंबे समय तक श्रोताओं की स्मृतियों में बना रहेगा. अवसर था तरुण दा कराओके लाइव द्वारा आयोजित संगीत संध्या का.

कार्यक्रम में 70 के दशक के दो नायाब कलाकारों- फिल्म इंडस्ट्री के पहले सुपरस्टार राजेश खन्ना और महागायक किशोर कुमार- को उनके लोकप्रिय गीतों के माध्यम से याद किया गया. कार्यक्रम का विशेष आकर्षण वैदेही की प्रस्तुति रही. उन्होंने 'हमें तुमसे प्यार कितना' गीत को प्रख्यात गायिका परवीन सुल्ताना के अंदाज में प्रस्तुत कर अपनी गायन प्रतिभा का परिचय दिया. उनकी प्रस्तुति को श्रोताओं ने खूब सराहा. यह प्रस्तुति इस बात का अहसास करा गई कि कला उम्र की मोहताज नहीं होती. गायक कलाकार नुपुर ने अपनी मधुर आवाज में 'रैना बीती जाए' प्रस्तुत किया, जिस पर सभागृह तालियों से गूंज उठा। इसके बाद 'जय जय शिवशंकर', 'दिन महीने साल गुजरते जाएंगे', 'प्रेम कहानी में एक लड़का होता है', 'हम थे जिनके सहारे' और 'कोरा कागज था ये मन मेरा' जैसे सदाबहार गीत प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया. संचालन कर रही अनुपमा गुप्ता ने कहां संगीत संध्या ने 70 के दशक के गीत-संगीत और उस दौर के कलाकारों की यादों को एक बार फिर श्रोताओं के बीच जीवंत कर दिया.

सपना चौहान बनीं महिला परिषद की संभागीय अध्यक्ष

इंदौर. हिंदवी स्वराज्य सेना की त्रैवार्षिक बैठक में संगठन के विस्तार, सुदृढ़ीकरण और आगामी कार्ययोजना को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए. बैठक के दौरान इंदौर संभाग के नए पदाधिकारियों की नियुक्ति की घोषणा की गई. सर्वसम्मति से सामाजिक सरोकारों, महिला जागरूकता और संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने वाली सपना रमेश चौहान को इंदौर संभाग महिला परिषद की संभागीय अध्यक्ष मनोनीत किया गया. सपना चौहान लंबे समय से सामाजिक कार्यों और महिला सशक्तिकरण से जुड़े विषयों पर सक्रिय रही हैं. उनके मिलनसार, मृदुभाषी और कर्मठ व्यक्तित्व को देखते हुए संगठन ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है. वहीं, नेहरू नगर निवासी रवि पिता स्व. दीनदयाल वर्मा को इंदौर संभाग का संभागीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया है. नई जिम्मेदारी मिलने पर सपना चौहान ने कहा कि उनका प्रयास महिलाओं को संगठन से जोड़ने, समाजसेवा के कार्यों को गति देने और संगठन की विचारधारा को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का रहेगा. मैं पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ मिली जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगी.

पुराने गीतों को नए अंदाज में पेश करना समय की जरूरत

जयपुरी ब्रदर्स बोले- सोशल मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म से कलाकारों-श्रोताओं की दूरी घटी

नवभारत न्यूज

इंदौर. राजस्थान के प्रतिष्ठित संगीत घराने की चौथी पीढ़ी के गायक और सुप्रसिद्ध जयपुरी ब्रदर्स रविवार को इंदौर पहुंचे. अभिनव कला समाज में हुई मुलाकात के दौरान सूफी फ्यूजन म्यूजिक बैंड के संस्थापक शाहरुख जयपुरी और वसीम जयपुरी ने बदलते संगीत के दौर, इंटरनेट के प्रभाव और युवा पीढ़ी की संगीत पसंद को लेकर अपने विचार साझा किए.

जयपुरी ब्रदर्स का मानना है कि इंटरनेट की दुनिया का असर संगीत जगत पर भी पड़ा है. संगीत सुनने और उसे प्रस्तुत करने का अंदाज तेजी से बदल रहा है. उन्होंने कहा कि आज युवा पीढ़ी पुराने गीतों को नए अंदाज और नए संगीत संयोजन के साथ सुनना पसंद कर रही है. ऐसे में पुराने लोकप्रिय गीतों को नए अंदाज में प्रस्तुत करना कलाकारों के लिए समय की जरूरत बन गया है. उन्होंने कहा कि पुराने दौर में संगीत के रसिक श्रोता बैठकर एकाग्रता से संगीत सुना करते थे. उस समय गायन और वादन की लंबी प्रस्तुतियों का आनंद लिया जाता था. अब समय बदल गया है. आज लाइव कॉन्सर्ट में हजारों श्रोता खड़े होकर संगीत का आनंद लेते हैं और गीतों की धुन पर झूमते-नाचते हैं. संगीत अब केवल सुनने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि लाइव प्रस्तुति के दौरान दर्शकों की भागीदारी भी बढ़ी है.

इंटरनेट ने संगीत को फास्ट ट्रैक पर पहुंचाया

शाहरुख और वसीम ने कहा कि इंटरनेट ने म्यूजिक की दुनिया को फास्ट ट्रैक पर ला दिया है. नई पीढ़ी कई बार पूरा गीत सुनने के बजाय महज एक मिनट में ही यह तय कर लेती है कि उसे गीत पसंद आया या नहीं. सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने कलाकारों और श्रोताओं के बीच की दूरी भी कम कर दी है. एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि आज श्रोताओं ने अपनी पसंद के मुताबिक संगीत की अलग-अलग कैटेगरी चुन ली हैं. कोई शास्त्रीय संगीत सुनना पसंद करता है तो कोई सूफी संगीत का प्रशंसक है. इसके बावजूद जहां अच्छा संगीत प्रस्तुत किया जाता है, वहां श्रोता जरूर पहुंचते हैं. संगीत की गुणवत्ता आज भी लोगों को जोड़ने में सक्षम है. जयपुरी ब्रदर्स ने बताया कि उनके कई गीत लोकप्रिय हुए हैं और उनका सूफी फ्यूजन म्यूजिक बैंड देश-दुनिया में अपनी पहचान बना चुका है.

बयार-ए-मुकेश में गूंजे सदाबहार गीत

उत्सव म्यूजिकल ग्रुप की संगीत संध्या में कलाकारों ने दी मुकेश को सुरमयी श्रद्धांजलि

अनिता चतुर्वेदी

नवभारत न्यूज

इंदौर. पुराने फिल्मी गीतों की मिठास और मुकेश की सुरीली आवाज की यादें रविवार को एक बार फिर इंदौर के प्रीतमलाल दुआ सभागृह में जीवंत हो उठीं. अवसर था उत्सव म्यूजिकल ग्रुप के बैनर तले आयोजित संगीत संध्या 'बयार-ए-मुकेश' का. कार्यक्रम में कलाकारों ने महान गायक मुकेश के सदाबहार गीतों की प्रस्तुतियां देकर संगीत प्रेमियों को पुरानी यादों के संसार में पहुंचा दिया. संगीत संध्या में मुकेश के लोकप्रिय गीतों को कलाकारों ने अपनी आवाज में प्रस्तुत किया. एक के बाद एक गीतों की प्रस्तुति से सभागृह का वातावरण सुरमयी हो गया. श्रोताओं ने मुकेश के गीतों को पूरे मनोयोग से सुना और पसंदीदा गीतों पर तालियों से कलाकारों का उत्साहवर्धन किया. कार्यक्रम के आयोजन के उद्देश्य के बारे में अनिता चतुर्वेदी ने बताया कि मुकेश जी के गीतों में सादगी, भावनाओं और अपनापन का ऐसा संगम है, जिसे सुनकर आज भी मन को आनंद मिलता है. उनकी आवाज और गायकी का अंदाज आज भी संगीत प्रेमियों के दिलों में खास स्थान रखता है. इसी भावना के साथ मुकेश जी की याद में 'बयार-ए-मुकेश' संगीत संध्या का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में प्रस्तुत सदाबहार गीतों ने श्रोताओं को मुकेश के स्वर्णिम दौर की याद दिला दी. कलाकारों की प्रस्तुतियों के साथ सभागृह में देर तक तालियों की गूंज सुनाई देती रही. संगीत संध्या ने मुकेश की अमर गायकी को एक बार फिर श्रोताओं के बीच जीवंत कर दिया.

12वीं में फेल युवा ने फेलियर को ही बना लिया ब्रांड

स्टार्ट अप

नवभारत न्यूज

इंदौर. पढ़ाई में सफलता हर युवा का सपना होती है, लेकिन असफलता मिलने के बाद भी हिम्मत न हारकर उसी असफलता को अपनी पहचान बना लेना अपने आप में मिसाल है. 18 वर्षीय युवा कृष ने कुछ ऐसा ही कर दिखाया है. 12वीं में फेल होने के बाद कृष ने जिस भी काम में हाथ आजमाया, उसे सफलता नहीं मिली.

आखिरकार उसने अपनी 'फेल' इमेज को ही ब्रांड बना लिया और पुरानी साइकिल को नया रूप देकर फेलकार्ट नाम से टी-शर्ट बेचने का कारोबार शुरू कर दिया. कृष ने अपनी जमा पूंजी से युवाओं के लिए ट्रेंडिंग, पसंदीदा डिजाइन और स्टाइल वाली टी-शर्ट खरीदीं. इसके बाद एक पुरानी साइकिल लेकर उसे खुद एक नए रूप में तैयार किया. साइकिल का इंटीरियर भी कृष ने अपने हाथों से तैयार किया और इसे नाम दिया फेलकार्ट. सोशल मीडिया के जरिए प्रचार शुरू किया और शाम के समय युवाओं की पसंद वाले इलाकों में जाकर कार्ट से टी-शर्ट बेचने लगे. कृष का छोटा सा कारोबार अब धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ रहा है. टी-शर्ट बेचकर वे प्रतिदिन करीब 3 से 5 हजार रुपए तक की कमाई कर रहे हैं. वे दिल्ली, अहमदाबाद और इंदौर से कपड़े खरीदते हैं और अपनी पसंद व बाजार की मांग के अनुसार कीमत तय कर उन्हें बेचते हैं. कृष का कहना है कि 12वीं में फेल होने के बाद मैंने सोचा कि अगर पढ़ाई में सफलता नहीं मिली तो छोटे स्तर से एक स्टार्टअप शुरू करूं. परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि वे महंगी डिग्री लेकर आगे पढ़ाई जारी रख सकें. इसके बाद उन्होंने खुद का काम शुरू करने की कोशिश की. सबसे पहले स्प्राउट का ठेला लगाया, लेकिन कुछ दिनों बाद यह काम भी बंद हो गया. इसके बाद पार्सल डिलीवरी का काम शुरू किया, मगर तेज धूप में काम करना मुश्किल लगा और उन्होंने वह काम भी छोड़ दिया. कृष का सपना है कि जल्द ही एक स्थायी दुकान शुरू करे और फेलकार्ट को एक बड़े ब्रांड के रूप में पहचान दिला सके.

समाजसेवियों, मातृशक्ति एवं उत्कृष्ट प्रतिभाओं का सम्मान किया

जिव्हेश्वर आनंदोत्सव में हुए रंगारंग कार्यक्रम

नवभारत न्यूज

इंदौर. श्री सूर्यवंशी स्वकुल साली समाज द्वारा जिव्हेश्वर आनंदोत्सव का आयोजन धन्नालाल चौकसे धर्मशाला, सुखलिया में किया गया. आयोजन में समाज की महिलाओं, बच्चों, युवाओं और संगीत प्रेमियों के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए.

कार्यक्रम के प्रथम चरण में महिला मंडल द्वारा महिलाओं के लिए गेम शो का आयोजन किया गया. इसमें विभिन्न प्रकार के गेम होंगे और प्रत्येक प्रतिभागी को पुरस्कृत किया गया. इसके बाद 5 से 15 वर्ष तक के प्रतिभावान बाल कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक एवं डांस प्रस्तुतियां दी गई. कार्यक्रम के तीसरे चरण में नवयुवक मंडल द्वारा प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान, स्वकुल गौरव सम्मान, मातृशक्ति सम्मान तथा अतिथियों का स्वागत-सम्मान किया गया वहीं चौथे चरण में समाज के गायकों द्वारा सुमधुर एवं रंगारंग गायन प्रस्तुतियां दी गई. समाजजनों के अनुसार, सृष्टि के प्रथम वस्त्र निर्माता एवं साली (मराठी काष्ठी) समाज के भगवान श्री जिव्हेश्वर के जन्मोत्सव के निमित्त यह आनंदोत्सव प्रतिवर्ष मनाया जाता है. इस वर्ष आनंदोत्सव का 46वां वर्ष है. आयोजन में समाज के वरिष्ठ समाजसेवियों, मातृशक्ति एवं उत्कृष्ट प्रतिभाओं का सम्मान किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि प्रकाश विजयवर्गीय द्वारा समाज की संगठनात्मक एकता एवं एकजुटता की भावना की सराहना करते हुए समाज को प्रगतिशील, मेहनतकश एवं समर्पित बताया गया तथा समाजकार्य में सहयोग का आश्वासन दिया गया. संचालन सचिव प्रकाश आपामने एवं आभार वर्षा चौधरी द्वारा व्यक्त किया गया.

एक नजर में — मप्र के सबसे बड़े दिव्यांग शिक्षक एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में 95 प्रतिभाओं को किया सम्मानित

प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती, दिव्यांगों को मिलना चाहिए अवसर और सहयोग

नवभारत न्यूज

इंदौर. दिव्यांगजन प्रतिभा और दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर हर क्षेत्र में सफलता हासिल कर रहे हैं. उन्हें आगे बढ़ने के लिए केवल अवसर, सहयोग और प्रोत्साहन की आवश्यकता है. जो व्यक्ति दिव्यांगजनों की सेवा और उनके उत्थान के लिए कार्य करता है, वह वास्तव में समाज की सेवा के साथ ईश्वर की आराधना करता है.

यह बात इंदौर प्रेस क्लब में पुष्पा पिसोलकर फाउंडेशन द्वारा आयोजित दिव्यांग शिक्षक एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में विभिन्न वक्ताओं ने कही. मध्यप्रदेश के सबसे बड़े दिव्यांग शिक्षक एवं विद्यार्थी सम्मान समारोह में करीब 95 दिव्यांग शिक्षकों एवं प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में शहर के करीब 25 विभिन्न विद्यालयों में कार्यरत दिव्यांग शिक्षकों का भी सम्मान किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पत्रकार प्रतीक श्रीवास्तव ने कहा कि दिव्यांगजन अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति के माध्यम से हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं. प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती, दिव्यांगजनों को सिर्फ अवसर और सहयोग की जरूरत है. विशेष अतिथि दृष्टिबाधित तहसीलदार संजय यादव ने कहा कि दिव्यांग प्रतिभाओं का सम्मान करना गौरव की बात है. अनेक दिव्यांगजन चुनौतियों का सामना करते हुए बड़े पदों तक पहुंच रहे हैं. विक्रम अवार्ड एवं राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित दृष्टिबाधित शिक्षक आधार सिंह चौहान ने कहा कि दिव्यांगजनों को सहयोग और अवसर प्रदान करना समाज के लिए अतुलनीय योगदान है. सामाजिक कार्यकर्ता अनीता शर्मा एवं मोनिका पुरोहित ने दिव्यांगजनों के सामाजिक समावेशन पर जोर दिया.

गरीब विद्यार्थियों के लिए खोलेंगे स्कूल

इस अवसर पर फाउंडेशन के डायरेक्टर आरके काबरा ने घोषणा की कि आगामी दिनों में गरीब विद्यार्थियों के लिए उच्च स्तर का स्कूल प्रारंभ किया जाएगा. फाउंडेशन की ओर से गरीब बच्चों की फीस एवं छात्रवृत्ति सहित अन्य शैक्षणिक सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी. मुन्नालाल शर्मा ने गुरु वंदना प्रस्तुत की। फाउंडेशन के डायरेक्टर आरके काबरा, एसएन काबरा एवं हीरामणि काबरा ने अतिथियों का स्वागत किया। अंजना बुराणी ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी. कार्यक्रम में सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि संतोष मोहंती, ज्ञानेंद्र पुरोहित, सफी मोहम्मद शेख, राधेश्याम माहेश्वरी, अभिषेक काबरा, पार्षद राजेश जैन, अंजना गोरानी, निशा पासी सहित शहर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे. संचालन डॉ. राजश्री नरवरे एवं संजय लोखंडे ने किया. आरके काबरा ने आभार माना.